

वाङ्मयसंज्ञासूत्रम्

No. _____

१। अत्रा - अ + कृत्

२। पङ्कम् - पङ् + कृत्

३। उपपङ्क्त्य - उप - कृ + कृत्

४। विष्णुम् - वि + ष्णु + कृत्

५। विष्णुम् - वि - ष्णु + कृत्

६। अत्रा - अ + कृत्

७। अत्रा - अ + कृत्

८। अत्रा - अ + कृत्

९। अत्रा - अ + कृत्

१०। अत्रा - अ + कृत्

११। अत्रा - अ + कृत्

१२। अत्रा - अ + कृत्

१३। अत्रा - अ + कृत्

१४। अत्रा - अ + कृत्



২৩। প্রবেশঃ - প্র - বিশ্ + ঘৃষ্

২৪। উপসৃত্য - উপ - সৃ + স্যন্

২৫। আভ্যন্ত - আ - ভাম্ + স্যন্

২৬। নিশাম্য - নি - শাম্ + নিচ্ + স্যন্

২৭। পশ্যন্ত - দৃশ্ + লোচ্ ২ম পুরুষ ২ রচন

২৮। অবলম্ব্য - অব - লম্ + স্যন্

২৯। আচর্য - আ - কৃষ্ + নিচ্ + স্যন্

৩০। আপন্য - আ - পন্ + স্মি + ভাম্

৩১। অবধাম - অব - ধৃ + নিচ্ + স্যন্

৩২। স্মৃ - স্মৃ - লোচ্ বি

৩৩। উপসৃত্য - উপঃ চরতি ইতি উপস্ + সৃষ্
= উপস্য

উপস্য + শত্ব ৪র্থী ২ রচন।

৩৪। সনিস্য - সন্ - নিশ্ + স্যন্

৩৫। স্মিপ্ত্বা - স্মিপ্ + স্ত্বাচ্

२४। कुशा - कृ + कुशब्

२५। निनाम् - नी + निह् + नीम्

२६। ज्योतिष्वा - जित् + निह् + कुशब्

२७। निर्गत्य - निह् - गम् + ल्यप्

२८। अवलपः - अव - लिप् + धृक्

२९। प्राविश्यात् - प्रवि - श् + निह् + नीम्

३०। काश्यात् - श् + निह् + प्र (रुमिवाह्य)

३१। अवपुन्य - ~~अव~~ अव - पू + ल्यप्

३२। विसृज्यात् - वि - सृ + निह् + ल्यप्

३३। अनानस्य - नी - निह् + ल्यप्

३४। अस्मिन् - अस् + म् + निह्

३५। अस्मिन् - अस् + म्

४२। अवप्रथम् - अव-प्रथ + ल्युट् (डाब-)

४३। उपतसे - उप-धा + लिङ् ए-

४४। दीभुताम् - दा + कर्त्तृनि लोङ् ताम्

४५। अपठत् - पठ् + लङ् द-

४६। शापः - शाप् + धृक् (उक्त्-कर्त्तृनि २मा)

४७। उहास - उहा + लोङ् -उ

४८। सती - सद् + शतृ + शीप्

४९। प्रसाध्यमानः - प्र-सद् + लिङ् (कर्त्तृनि) शानक्

५०। श्रुत् - श्रा + श् + ल्यप्

५१। सासम् - सस् + लङ् ताम्

५२। सखीशमत् - सख् - शर्वि - शम् + लुङ् द-

५३। प्रवर्त्तमान - प्र-वृत् + शानक् (१मा) २वचन)

५४। समप्रत्युत् - सम् - प्रुत् + लङ् द-

५५। प्रतिसृजम् - प्रति-श्रु + कृ-

६७) प्रदाकम् - प्र-दा + कम्

६८) निहृङ्क्षुः - हृङ् + श् + क्त

६९) प्रवृत्तिः - प्र-वृत् + क्त (वृत्ति)

७०) निराहृष्टिः - निराहृ + क्त + क्त (निराहृष्टि)

७१) अपाप्रवृत् - अपा-प्र + क्त (वृत्)

७२) अवप्रिः - अव-प्र + क्त (वप्रि)

७३) प्रसीद - प्र-सी + क्त (सीद)

७४) व्यतिशय - वि-श + क्त (व्यतिशय)

७५) विप्रसर्ज - वि-प्रस + क्त (विप्रसर्ज)

७६) अवलम्ब्य - अव-लम्ब + क्त (अवलम्ब्य)

७७) आवृष्य - आवृ + क्त (आवृष्य)

७८) अत्रा + श् + क्त (अत्रा)

७९) अविश्रु - अवि-श्रु + क्त (अविश्रु)

८०) अत्रि - अत्रि-वी + क्त (अत्रि)

१०। आशङ्क्य - आ-शङ् + लोट् + क्त

११। निशङ्क्य - नि-शङ् + ल्यप्

१२। निशङ्क्य - निशृ-शङ् + ल्यप्

१३। आशङ्क्य - आ-शङ् + ल्यप्

१४। निर्वर्ण्य - निर्वृ + वर्ण + ल्यप्

१५। अशिक्ष्य - अशिक्ष् + ल्यप्

१६। उपनिष्ठात् - उप-निष्ठा + क्त

१७। इच्छते - इच्छ् + क्त

१८। अनुश्रुत्यात् - अनु-श्रु + लोट् + क्त
(रश्मिनि)

१९। उपनिष्ठात् - उप-निष्ठा + लोट् + क्त

२०। आशङ्क्य - आ-शङ् + ल्यप्

२१। निशङ्क्य - नि-शङ् + ल्यप् + अ

२२। निशङ्क्य - नि-शङ् + क्त

२३। उपनिष्ठात् - उप-निष्ठा + ल्यप्